Session 2026–27

Pravreshika Certificate in Performing Art- I Year (P.C.P.A.)
Regular

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Practical – I Viva	100	33
02.	Practical – I Demonstration	100	33
	Grand Total	200	

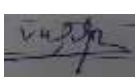
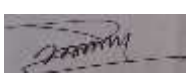
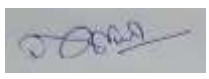
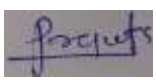

सत्र 2026–27
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट प्रथम वर्ष
तबला (मौखिक)

पूर्णांक	उत्तीर्णांक
100	33

1. संगीत की परिभाषा एवं ध्वनि, नाद, स्वर की संक्षिप्त परिभाषाएँ।
2. लय, ताल, मात्रा, सम, खाली, भरी विभाग, ठेका, तिहाई, तथा आवर्तन की सोदाहरण परिभाषाएँ।
3. तबला वाद्य की बनावट की जानकारी ।
4. पाठ्यक्रम के तालों को पहचानकर पूर्ण करना :– त्रिताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा।
5. तबले के वर्णो का निकास :– धा, धिं, ना, कत, घे, गे, के, कत्, तिं, तू, ति, ट, या टे।

क्रियात्मक

पूर्णांक	उत्तीर्णांक
100	33

1. हाथ से ताली देकर त्रिताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा के ठेकों की पढ़न्त तथा उनको तबले पर बजाना।
2. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन में पढन्त तथा तबले पर बजाना।
3. तबले के वर्णो का निकास : धा, धिं, ना, कत, घे, गे, के, कत्, ति, तू, ट, या, टे।
4. त्रिताल में निम्नलिखित दो सरल कायदे तथा एक रेला, न्यनूतम दो–दो पल्टे तथा तिहाई के साथ बजाना तथा हाथ से ताली देकर पढ़ना।
   (अ) धा धा ति ट, धा धा ती ना
   (ब) धा धा तिर किट, धा धा ती ना
   (स) धाऽतिर किटधाऽ तिरकिट धाऽधाऽ तिरकिट धाऽतिर किटधाऽ तिरकिट।
5. पाठ्यक्रम के तालों को तबले पर बजते हुए सुनकर ठेकों को पहचानना। पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल :– त्रिताल, झपताल, कहरवा, रूपक दादरा।
6. एक मात्रा से चार मात्रा तक के मोहरे (प्रत्येक ताल में) बजाकर सम पर मिलना।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल शास्त्र परिचय भाग–1 – डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे

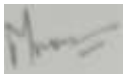

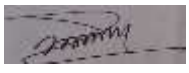

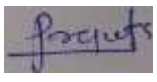

Session 2027–28

Praveshika Certificate in Performing Art (P.C.P.A.)

II Year

Regular

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Theory – (Objective Type)	100	33
02.	Practical – Demonstration & Viva	100	33
	Grand Total	200	

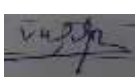
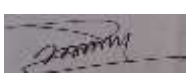
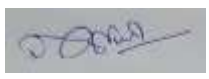
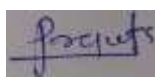

सत्र 2027–28
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिम वर्ष
तबला–शास्त्र
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न पद्धति पर आधारित)

समय : 3 घंटे

पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. मंद्र, मध्य, तार, सप्तक, आरोह तथा अलंकार की परिभाषाएँ।
3. लय, सम, मात्रा, विभाग, ताली खाली, कायदा, रेला तथा मुखडा की परिभाषाएँ।
4. तबला वाद्य की संपूर्ण सचित्र जानकारी। धा, धिं, ता, तिं, तिट, तिरकिट, धागे, धिनगिन, किड़नग आदि बोलों की निकास विधि का अध्ययन।
5. भातखण्ड़े ताल लिपि का सामान्य ज्ञान। पिछले पाठ्यक्रम के कायदे एवं रेलों को ताललिपि में लिखने का अभ्यास। भारतीय वाद्य वर्गीकरण की सामान्य जानकारी।
6. त्रिताल, तिलवाडा, आडाचौताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा तालों का वर्णन एवं भातखण्डे ताललिपि पद्धति में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
7. प्रख्यात तबला वादकों की परिचयात्मक जानकारी।

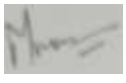 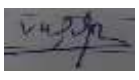 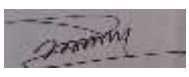 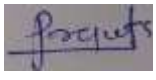

सत्र 2027–28
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिम वर्ष
तबला–क्रियात्मक

पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33

1 त्रिताल, तिलवाडा, आडाचौताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा तालों के ठेकों की पढन्त एवं तबले पर बजाना।

2 तिट, तिरकिट, धागे, धिनगिन, घिड़नग, किड़नग, इन बोलों को तबले तथा बांयें पर बजाना।

3 त्रिताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा तालों को ठाह, दुगुन तथा चौगुन में बजाना।

4 त्रिताल में प्रथम वर्ष के कायदों तथा रेले के अतिरिक्त :–

(अ) धाति टधा तिट धाधा तिट धागे तिन किन –यह कायदा चार पल्टे तथा तिहाई सहित पढन्त एवं तबले पर बजाना।

(ब) धाऽ तिर किट धाऽ तिट घेन धाति घेन तिन किन – यह कायदा चार पल्टे तथा तिहाई सहित पढन्त एवं तबले पर बजाना।

(स) धातित् धातित् धाधा धिंधा, धिंधा धातित् धाधा धिंधा– पेशकार दो सरल प्रकारों सहित पढन्त एवं तबले पर बजाना।

5 चार मात्रा से आठ मात्रा तक के मोहरे (पाठ्यक्रम के तालों में) बजाकर सम पर मिलना

6 त्रिताल में चार मात्रा से आठ मात्रा की तिहाइयॉ।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. संगीत शास्त्र परिचय – डॉ.एम. बी. मराठे
5. ताल शास्त्र परिचय – डॉ. एम. बी. मराठे